MP Board Class 8th Sanskrit Solutions Chapter 9 वसन्तोत्सवः

प्रश्न 1.
एकपदेन उत्तरं लिखत(एक शब्द में उत्तर लिखो-)
(क) वसन्तपञ्चमी कस्य आगमनं सूचयति? (वसन्त पञ्चमी किसके आगमन को सूचित करती है?)
उत्तर:
ऋतुराजवसन्तस्य (ऋतुराज वसन्त के)

(ख) केषु नूतनकिसलयरागः राजते? (किन पर नये पत्तों की शोभा सुशोभित होती है?)
उत्तर:
वृक्षेषु। (पेड़ों पर)

(ग) केकिलानां मधुरस्वरः किम् आकर्षित? (कोयलों का मधुर स्वर किसको आकर्षित करता है?)
उत्तर:
चित्तम्। (मन को)

(घ) वसन्तोत्सवे कस्याः पूजनम् भवति? (वसन्त उत्सव में
किसका पूजन होता है।)
उत्तर:
सरस्वत्याः। (सरस्वती का)

(ङ) ज्ञानस्य अधिष्ठात्री देवी का? (ज्ञान की मुख्य देवी कौन है?)
उत्तर:
शारदा। (सरस्वती)

प्रश्न 2.
एकवाक्येन उत्तरं लिखत(एक वाक्य में उत्तर लिखो-)
(क) ऋतुराजवसन्तस्य आगमन-सूचना कदा भवति? (ऋतुराज वसन्त के आगमन की सूचना कब होती है?)
उत्तर:
ऋतुराजवसन्तस्य आगमन-सूचना माघमासस्य शुक्लपक्षस्य पञ्चम्यां तिथौ भवति। (ऋतुराज वसन्त के आगमन की सूचना माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को होती है।)

(ख) आमेषु कीदृशाःभ्रमराः दृश्यन्ते? (आमों पर कैसे भंवरे दिखाई देते है?)
उत्तर:
आनेषु भ्रमन्तः भ्रमराः दृश्यन्ते? (आमों पर घूमते हुए भंवरे दिखाई देते हैं।)

(ग) तमिलनाडुराज्ये जनाः शारदां कथम् अर्चयन्ति। (तमिलनाडु राज्य में लोग शारदा को कैसे पूजते हैं?)
उत्तर:
तमिलनाडुराज्ये जनाः प्रकाशितान् हस्तलिखितान् ग्रन्थान् एकस्याम् पीठिकायां संस्थाप्य विविधैः उपचारैः शारदां

अर्चयन्ति। (तमिलनाडु राज्य में लोग प्रकाशित हस्तलिखित ग्रन्थों को एक चौकी पर रखकर विभिन्न पूजा की विधियों से शारदा की पूजा करते हैं।)

(घ) वसन्तोत्सवः किं किं द्योतयति? (वसन्तोत्सव क्या-क्या प्रकट करता है।)
उत्तर:
वसन्तोत्सवः भारतीयानां उत्सवप्रियतायाः शास्त्रीयं, सामाजिक तथा वैज्ञानिक चिन्तनं अपि द्योतयति। (वसन्तोत्सव भारतीयों की उत्सव प्रियता की शास्त्रीय, सामाजिक तथा वैज्ञानिक सोच को भी प्रकट करता है।)

(ङ) उत्तरभारते कुत्र-कुत्र सरस्वतीपूजनं बहुमान्यम् अस्ति? (उत्तरभारत में कहाँ-कहाँ सरस्वती पूजा बहुत मान्य है?)
उत्तर:
उत्तर भारते बिहार प्रान्ते, बङ्गालप्रान्ते तथा काश्मीर प्रदेशे सरस्वतीपूजनं बहुमान्यम् अस्ति। (उत्तर भारत में बिहार प्रान्त में, बंगाल प्रान्त में तथा कश्मीर प्रदेश में सरस्वती पूजा बहुत मान्य है।)

प्रश्न 3.
प्रश्ननिर्माणं कुरुत (रेखांकितपदम् आधृत्य) [प्रश्न निर्माण करो (रेखांकित शब्द के आधार पर])
(क) विविधैः पुष्पैः ऋतुराजस्य स्वागतम् भवति। (विविध पुष्पों के द्वारा ऋतुराज का स्वागत होता है।)
उत्तर:
विविधैः पुष्पैः कस्य स्वागतम् भवति? (विविध पुष्पों के द्वारा किसका स्वागत होता है?)

(ख) पुस्तकानाम् अपि पूजनम् भवति। (पुस्तकों का भी पूजन होता है।)
उत्तर:
केषाम् अपि पूजनम् भवति? (किनका पूजन भी होता है?)

(ग) शारदाम् अर्चयन्ति। (शारदा की अर्चना करते हैं।)
उत्तर:
काम् अर्चयन्ति? (किसकी अर्चना करते हैं?)

(घ) सौन्दर्य कामयिंतु वसन्तपूजनम् भवति। (सुन्दरता की
कामना के लिए वसन्त पूजा होती
उत्तर :
सौन्दर्य कामयितु किम् भवति? (सुन्दरता की कामना के लिए क्या होती है?)

(ङ) श्रीपञ्चमीनाम्ना वसन्तपञ्चमी ज्ञायते। (श्रीपंचमी नाम से वसन्तपंचमी जानी जाती है।)
उत्तर:
श्री पञ्चमीनाम्ना का ज्ञायते? (श्रीपंचमी नाम से क्या जानी जाती है।)

प्रश्न 4.
अर्थानुसारं युग्मानि योजयत (अर्थ के अनुसार जोड़े मिलाओ-)
उत्तर:
(क) → (iii)
(ख) → (v)
(ग) → (i)
(घ) → (ii)
(ङ) → (iv)

https://www.evidyarthi.in/

(अ)	(ब)
(क) मञ्जरीं परितः	(i) श्रीपञ्चमी
(ख) सरस्वतीम्	(ii) वसन्तपञ्चमीं यावत्
(ग) वसन्तपञ्चमी	(iii) भ्रमराः दृश्यन्ते
(घ) श्रावणपूर्णिमातः	(iv) चरमोत्कर्षम् प्राप्नोति
(ङ) प्रकृतेः सौन्दर्यं	(v) पूजयन्ति स्म

प्रश्न 5.
नामोल्लेखपूर्वकं समासविग्रह कुरुत (नाम का उल्लेख करते हुए समास विग्रह करो-)
(क) सरस्वतीपूजनम्
(ख) वसन्तसमये
(ग) प्राचीनकाले
(घ) वसन्तोत्सवः।
उत्तर:

समस्तपदम्	समास-विग्रहः	समास-नाम
(क) सरस्वतीपूजनम्	सरस्वत्याः पूजनम्	तत्पुरुषः
(ख) वसन्तसमये	वसन्तस्य समये	तत्पुरुषः
(ग) प्राचीनकाले	प्राचीनकाले	तत्पुरुषः
(घ) वसन्तोत्सवः	वसन्तस्य उत्सवः	तत्पुरुषः

प्रश्न 6.
नामोल्लेखपूर्वकं सन्धिविच्छेदं कुरुत (नाम का उल्लेख करते हुए सन्धि-विच्छेद करो-)
(क) चरमोत्कर्षम्
(ख) पुराणेष्वपि
(ग) पूजनमपि
(घ) सममेव।
उत्तर:

शब्द :	सन्धि-विच्छेदः	सन्धि-नाम
(क) चरमोत्कर्षम्	चरम + उत्कर्षम्	स्वर-सन्धिः (गुणः)
(ख) पुराणेष्वपि	पुराणेषु + अपि	स्वर-सन्धिः (यण्)
(ग) पूजनमपि	पूजनम् + अपि	व्यञ्जन-सन्धिः
(घ) सममेव	समम् + एव	व्यञ्जन-सन्धिः

प्रश्न 7.
पाठात् पञ्च अव्ययानि चित्वा लिखत। (पाठ में से पाँच अव्यय चुनकर लिखो।)
उत्तर:
(क) अपि:
(ख) सर्वत्र
(ग) च
(घ) अधुना
(ङ) एव।